



Quran Plus School



# नमाज़ का तरीका

हनफ़ी

وَأَقِمْوَا الصَّلَاةَ

कुरआन 2:43

बच्चों और नए सीखने वालों के लिए क़दम-ब-क़दम — क्या करना है, क्या पढ़ना है और उसका मतलब क्या है।

क़दम-ब-क़दम

अरबी

हिंदी उच्चारण

हिंदी मतलब

यह गाइड इसकी है:



ऑनलाइन खोलें  
पाँचों मसलक · चार्ट



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी

## इस फ़िक्रह का परिचय

इमाम अबू हनीफ़ा नोमान (80-150 हिजरी, कूफ़ा) से मंसूब। ज़्यादातर पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, अफ़ग़ानिस्तान, तुर्की, मध्य एशिया और बाल्कन में माना जाता है।

## नमाज़ से पहले



वुजू करें।



जिस्म, कपड़े और नमाज़ की जगह پاک हो।



जिस्म अच्छी तरह ढकें (लड़कियाँ और औरतें चेहरे और हाथों के सिवा पूरा जिस्म)।



नमाज़ उसके वक़्त में, क़िबला रुख़ होकर पढ़ें।

## पाँचों नमाज़ों की रकअतें

| फ़ज़्र                              | जुहर             | अस्र             | मग़रिब                              | इशा                                 | वित्र                   |
|-------------------------------------|------------------|------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|-------------------------|
| 2                                   | 4                | 4                | 3                                   | 4                                   | 3 रकअत, एक सलाम — वाजिब |
| फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से | फ़र्ज़ · आहिस्ता | फ़र्ज़ · आहिस्ता | फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से | फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से |                         |

## यह गाइड कैसे इस्तेमाल करें

- क़दम पूरी नमाज़ दिखाते हैं। दो रकअत वाली नमाज़ (जैसे फ़ज़्र) में दूसरी रकअत के बाद वाला क़ादा ही आखिरी क़ादा है — सीधे «क़ादा-ए-अख़ीरा» पर जाएँ।
- ♦ का निशान बताता है कि इस क़दम में मसलकों का फ़र्क़ है। मुफ़्त तुलना चार्ट में पाँचों एक साथ देखें।
- असल मतन अरबी है; उच्चारण वाली लाइन सिर्फ़ मदद के लिए है। सही तलफ़्फ़ूज़ किसी उस्ताद से सीखें।
- पहले हरकतें सीखें, फिर एक-एक करके अल्फ़ाज़ याद करें। किसी बड़े के साथ मशक़ करें।

## एहतिराम की बात

नमाज़ के ये पाँचों तरीक़े क़ुरआन और सुन्नत ही से लिए गए हैं; हर मक़तब-ए-फ़िक्र ने दलीलों को अपनी समझ के मुताबिक़ लिया है। यह बच्चों और नए सीखने वालों के लिए एक आसान रहनुमा है, जैसा कि हर मक़तब में आम तौर पर सिखाया जाता है — अपने मसलक पर अमल करें और तफ़्फ़ील किसी मुस्तनद आलिम या उस्ताद से सीखें।



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी

### 1 नीयत

किबला रुख खड़े हों और दिल में उस नमाज़ की नीयत करें जो आप पढ़ने जा रहे हैं (जैसे फ़ज़्र की 2 रकअत फ़ज़्र)।

### 2 तकबीर-ए-तहरीमा

दोनों हाथ कानों तक उठाएँ (अंगूठे कान की लौ के पास) और “अल्लाहु अकबर” कहें। लड़कियाँ और औरतें हाथ कंधों तक उठाएँ।

तकबीर

اللَّهُ أَكْبَرُ  
अल्लाहु अकबर

मतलब: अल्लाह सबसे बड़ा है।

### 3 हाथ बाँधना ◆ मसलकों में फ़र्क

दायाँ हाथ बाएँ हाथ पर रखकर नाफ़ के नीचे बाँधें। लड़कियाँ और औरतें हाथ सीने पर रखें।

### 4 सना

आहिस्ता से सना पढ़ें:

सना — शुरू की तरीका

📖 सुनन अबी दाऊद 775 • जामे तिमिज़ी 242

سُبْحَانَكَ اللَّهُمَّ وَبِحَمْدِكَ وَتَبَارَكَ اسْمُكَ وَتَعَالَى جَدُّكَ وَلَا إِلَهَ  
غَيْرُكَ

सुबहानकल्लाहुम्मा व बिहम्दिका व तबारकस्मुका व तआला जहुका व ला इलाहा गैरुक

मतलब: ऐ अल्लाह! तू पाक है और तेरी ही तरीफ़ है, तेरा नाम बरकत वाला है, तेरी शान बुलंद है, और तेरे सिवा कोई माबूद नहीं।

### 5 तअव्वुज़ और बिस्मिल्लाह

आहिस्ता से कहें:

तअव्वुज़

📖 कुरआन 16:98

أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ  
अऊजु बिल्लाहि मिनश-शैतानिर-रजीम

मतलब: मैं शैतान मरदूद से अल्लाह की पनाह माँगता हूँ।



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी

### 5 • तअव्वुज़ और बिस्मिल्लाह (जारी)

बिस्मिल्लाह

कुरआन 1:1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
बिस्मिल्लाहिर-रहमानिर-रहीम

**मतलब:** अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, बहुत रहम करने वाला है।

### 6 सूरह फ़ातिहा और आमीन

♦ मसलकों में फ़र्क

सूरह फ़ातिहा पढ़ें और फिर आहिस्ता से “आमीन” कहें। इमाम के पीछे खामोश रहकर सुनें — इमाम की क़िराअत काफ़ी है।

सूरह फ़ातिहा

कुरआन 1:2-7

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ۝ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝ مَلِكِ يَوْمِ الدِّينِ ۝ إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ  
نَسْتَعِينُ ۝ اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ ۝ صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ ۝ غَيْرِ  
الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّالِّينَ

अल्हम्दु लिल्लाहि रब्बिल-आलमीन। अर्हरहमानिर-रहीम। मालिकि यौमिद-दीन। इय्याका नअबुदु व इय्याका नस्तईन।  
इहिदिनस-सिरातल-मुस्तक़ीम। सिरातल-लज़ीना अन्अम्ता अलैहिम, ग़ैरिल-मग़ज़ूबि अलैहिम व लज़-ज़ाल्लीन

**मतलब:** सब तारीफ़ें अल्लाह के लिए हैं जो सारे ज़हानों का रब है, बहुत मेहरबान, बहुत रहम करने वाला, बदले के दिन का मालिक। हम तेरी ही इबादत करते हैं और तुझ ही से मदद माँगते हैं। हमें सीधा रास्ता दिखा, उन लोगों का रास्ता जिन पर तूने इनाम किया, न उनका जिन पर ग़ज़ब हुआ और न गुमराहों का।

आमीन

सहीह बुखारी 780

آمِينَ  
आमीन

**मतलब:** ऐ अल्लाह! क़बूल फ़रमा।

### किसी बड़े के साथ मशक़

अम्मी-अब्बू या उस्ताद के सामने आहिस्ता-आहिस्ता दो रकअत पढ़ें। हर दिन एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुमा

शनि

इतवार



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी

### 7 एक सूरह

पहली दो रकअतों में सूरह फ़ातिहा के बाद कोई सूरह या चंद आयतें पढ़ें — जैसे सूरह इखलास।

एक छोटी सूरह — सूरह इखलास

कुरआन 112:1-4

قُلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدٌ ۝ اللَّهُ الصَّمَدُ ۝ لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ ۝ وَلَمْ يَكُنْ لَهُ كُفُوًا أَحَدٌ

कुल हुवल्लाहु अहद। अल्लाहुस-समद। लम यलिद व लम यूल्द। व लम यकुल-लहू कुफुवन अहद

**मतलब:** कह दीजिए: वह अल्लाह एक है। अल्लाह बेनियाज़ है। न उसकी कोई औलाद है और न वह किसी की औलाद है। और कोई उसके बराबर नहीं।

### 8 रुकू ◆ मसलकों में फ़र्क

“अल्लाहु अकबर” कहकर रुकू करें (हाथ सिर्फ़ तकबीर-ए-तहरीमा में उठाए जाते हैं): हाथ घुटनों पर, कमर सीधी। 3 बार कहें:

रुकू की तस्बीह

सहीह मुस्लिम 772

سُبْحَانَ رَبِّيَ الْعَظِيمِ  
सुब्हाना रब्बियल-अज़ीम

**मतलब:** पाक है मेरा रब जो अज़मत वाला है।

### 9 क़ौमा

सीधे खड़े हो जाएँ। इमाम पहला जुमला कहे, मुकतदी दूसरा; अकेले हों तो दोनों कहें:

रुकू से उठते हुए

सहीह बुखारी 796

سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ  
समिअल्लाहु लिमन हमिदह

**मतलब:** अल्लाह ने उसकी सुन ली जिसने उसकी तारीफ़ की।

क़ौमे की तहमीद

सहीह बुखारी 796

رَبَّنَا لَكَ الْحَمْدُ  
रब्बना लकल-हम्द

**मतलब:** ऐ हमारे रब! सब तारीफ़ तेरे ही लिए है।



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी

### 10 सज्दा

“अल्लाहु अकबर” कहकर सज्दे में जाएँ: माथा और नाक, दोनों हथेलियाँ, दोनों घुटने और पैरों की उंगलियाँ ज़मीन पर हों। 3 बार कहें:

सज्दे की तस्बीह

सहीह मुस्लिम 772

سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى

सुब्हाना रब्बियल-अला

मतलब: पाक है मेरा रब जो सबसे बुलंद है।

### 11 जलसा

“अल्लाहु अकबर” कहकर इत्मीनान से थोड़ा बैठें, फिर “अल्लाहु अकबर” कहकर इसी तरह दूसरा सज्दा करें।

### 12 दूसरी रकअत

बीच में बैठे बिना दूसरी रकअत के लिए खड़े हो जाएँ और उसे पहली रकअत की तरह पढ़ें (सना के बिना)।

### 13 क़ादा और तशह्हुद

मसलकों में फ़र्क़

2 रकअत के बाद बायाँ पैर बिछाकर उस पर बैठें और दायाँ पैर खड़ा रखें। तशह्हुद पढ़ें; “ला इलाहा” पर दाएँ हाथ की शहादत की उंगली उठाएँ और “इल्लल्लाह” पर रख दें। लड़कियाँ और औरतें दोनों पैर दाईं तरफ़ निकालकर बैठें।

तशह्हुद — इब्ने मसऊद (रज़ि.) की रिवायत

सहीह बुखारी 831

اَلتَّحِيَّاتُ لِلّٰهِ وَالصَّلٰوَتُ وَالطَّيِّبٰتُ، اَلسَّلَامُ عَلَیْكَ اَیُّهَا النَّبِیُّ وَرَحْمَةُ اللّٰهِ وَبَرَكَاتُهُ،  
اَلسَّلَامُ عَلَیْنَا وَعَلٰی عِبَادِ اللّٰهِ الصّٰلِحِیْنَ، اَشْهَدُ اَنْ لَا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا  
عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ

अत्तहिyyातु लिल्लाहि वस-सलवातु वत-तय्यिबात। अस्सलामु अलैका अय्युहन-नबिय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुह।  
अस्सलामु अलैना व अला इबादिल्लाहिस-सालिहीन। अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व  
रसूलुह

मतलब: तमाम जुबानी, जिस्मानी और माली इबादतें अल्लाह ही के लिए हैं। ऐ नबी! आप पर सलाम हो और अल्लाह की रहमत और उसकी बरकतें। हम पर और अल्लाह के नेक बंदों पर सलाम हो। मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद ﷺ उसके बंदे और रसूल हैं।

### 14 तीसरी और चौथी रकअत

3 या 4 रकअत वाली फ़र्ज़ नमाज़ में तशह्हुद के बाद “अल्लाहु अकबर” कहकर खड़े हों और बाक़ी रकअतों में सिर्फ़ सूरह फ़ातिहा पढ़ें।



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी

### 15 क़ादा-ए-अख़ीरा

आखिरी क़ादे में तशहहूद, फिर दुरूद-ए-इब्राहीमी, फिर कोई दुआ पढ़ें:

तशहहूद — इब्ने मसऊद (रज़ि.) की रिवायत

सहीह बुखारी 831

التَّحِيَّاتُ لِلَّهِ وَالصَّلَوَاتُ وَالطَّيِّبَاتُ، السَّلَامُ عَلَيْكَ أَيُّهَا النَّبِيُّ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرَكَاتُهُ،  
السَّلَامُ عَلَيْنَا وَعَلَى عِبَادِ اللَّهِ الصَّالِحِينَ، أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا  
عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ

अत्तहिय्यातु लिल्लाहि वस-सलवातु वत-तय्यिबात। अस्सलामु अलैका अय्युहन-नबिय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुह।  
अस्सलामु अलैना व अला इबादिल्लाहिस-सालिहीन। अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व  
रसूलुह

**मतलब:** तमाम जुबानी, जिस्मानी और माली इबादतें अल्लाह ही के लिए हैं। ऐ नबी! आप पर सलाम हो और अल्लाह की रहमत और उसकी  
बरकतें। हम पर और अल्लाह के नेक बंदों पर सलाम हो। मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद  
ﷺ उसके बंदे और रसूल हैं।

दुरूद-ए-इब्राहीमी

सहीह बुखारी 3370

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَعَلٰى اٰلِ مُحَمَّدٍ كَمَا صَلَّيْتَ عَلٰى اِبْرٰهِيْمَ وَعَلٰى اٰلِ اِبْرٰهِيْمَ  
اِنَّكَ حَمِيْدٌ مَّجِيْدٌ، اَللّٰهُمَّ بَارِكْ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَعَلٰى اٰلِ مُحَمَّدٍ كَمَا بَارَكْتَ عَلٰى  
اِبْرٰهِيْمَ وَعَلٰى اٰلِ اِبْرٰهِيْمَ اِنَّكَ حَمِيْدٌ مَّجِيْدٌ

अल्लाहुम्मा सल्लि अला मुहम्मदिव-व अला आलि मुहम्मदिन कमा सल्लैता अला इब्राहीमा व अला आलि इब्राहीमा इन्नका  
हमीदुम-मजीद। अल्लाहुम्मा बारिक अला मुहम्मदिव-व अला आलि मुहम्मदिन कमा बारक्ता अला इब्राहीमा व अला आलि  
इब्राहीमा इन्नका हमीदुम-मजीद

**मतलब:** ऐ अल्लाह! मुहम्मद ﷺ और आले मुहम्मद पर रहमत नाज़िल फ़रमा जैसे तूने इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) और आले इब्राहीम पर रहमत  
नाज़िल फ़रमाई, बेशक तू तारीफ़ के लायक़, बुजुर्गी वाला है। ऐ अल्लाह! मुहम्मद ﷺ और आले मुहम्मद पर बरकत नाज़िल फ़रमा जैसे तूने  
इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) और आले इब्राहीम पर बरकत नाज़िल फ़रमाई, बेशक तू तारीफ़ के लायक़, बुजुर्गी वाला है।

सलाम से पहले एक दुआ

सहीह बुखारी 6389 • कुरआन 2:201

اَللّٰهُمَّ رَبَّنَا اٰتِنَا فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الْاٰخِرَةِ حَسَنَةً وَقِنَا عَذَابَ النَّارِ  
अल्लाहुम्मा रब्बना आतिना फ़िद-दुन्या हसनतन व फ़िल-आखिरति हसनतन व फ़िना अज़ाबन-नार

**मतलब:** ऐ अल्लाह! ऐ हमारे रब! हमें दुनिया में भी भलाई अता फ़रमा और आखिरत में भी भलाई अता फ़रमा, और हमें आग के अज़ाब से बचा।



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी

15 • क़ादा-ए-अख़ीरा (जारी)

क़ुरआन से एक और दुआ

क़ुरआन 14:40-41

رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيمَ الصَّلَاةِ وَمِنْ ذُرِّيَّتِي ۖ رَبَّنَا وَتَقَبَّلْ دُعَاءِ ﴿٤٠﴾ رَبَّنَا اغْفِرْ لِي  
وَلِوَالِدَيَّ وَلِلْمُؤْمِنِينَ يَوْمَ يَقُومُ الْحِسَابُ

रब्बिज-अल्नी मुक्कीमस-सलाति व मिन जुर्रिय्यती, रब्बना व तक्कब्ल दुआ। रब्बन!-फ़िर ली व लि-वालिदय्या व लिल-  
मोमिनीना यौमा यक्कुमुल-हिसाब

**मतलब:** ऐ मेरे रब! मुझे नमाज़ कायम करने वाला बना और मेरी औलाद में से भी। ऐ हमारे रब! मेरी दुआ क़बूल फ़रमा। ऐ हमारे रब! मुझे, मेरे माँ-  
बाप को और सब ईमान वालों को उस दिन बख़्श दे जिस दिन हिसाब कायम होगा।

16 सलाम

पहले दाई, फिर बाई तरफ़ मुँह फेरें और हर बार कहें:

सलाम

सुनन अबी दाऊद 996

السَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللَّهِ  
अस्सलामु अलैकुम व रहमतुल्लाह

**मतलब:** आप पर सलामती हो और अल्लाह की रहमत।

17 नमाज़ के बाद

सलाम के बाद 3 बार “अस्तग़फ़िरुल्लाह” कहें, फिर तस्बीह पढ़ें:

नमाज़ के बाद

सहीह मुस्लिम 596

×33 سُبْحَانَ اللَّهِ

×33 الْحَمْدُ لِلَّهِ

×34 اللَّهُ أَكْبَرُ

सुब्हानल्लाह (33×) • अल्हम्दु लिल्लाह (33×) • अल्लाहु अकबर (34×)

**मतलब:** अल्लाह पाक है • सब तारीफ़ अल्लाह के लिए है • अल्लाह सबसे बड़ा है।



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी



### वित्र और कुनूत

◆ मसलकों में फ़र्क

वित्र वाजिब है: 3 रकअतें एक सलाम के साथ, दूसरी रकअत के बाद तशह्हुद के लिए बैठें। तीसरी रकअत में सूरह के बाद कानों तक हाथ उठाकर “अल्लाहु अकबर” कहें, दोबारा हाथ बाँधें और दुआ-ए-कुनूत पढ़ें, फिर रुकू करें।

#### दुआ-ए-कुनूत

📖 हज़रत उमर (रज़ि.) से रिवायत — बैहकी, अस-सुनन अल-कुबरा; मुसन्नफ़ इब्ने अबी शैबा

اَللّٰهُمَّ اِنَّا نَسْتَغِيْثُكَ وَنَسْتَغْفِرُكَ وَنُؤْمِنُ بِكَ وَنَتَوَكَّلُ عَلَیْكَ وَنُشِیْ عَلَیْكَ الْخَیْرَ  
وَنَشْكُرُكَ وَلَا نَكْفُرُكَ وَنَخْلَعُ وَنَتْرُكُ مَنْ یَّفْجُرُكَ، اَللّٰهُمَّ اِیَّاكَ نَعْبُدُ وَلكَ نُصَلِّیْ  
وَنَسْجُدُ وَ اِلَیْكَ نَسْعٰی وَنَحْفِدُ وَنَرْجُو رَحْمَتَكَ وَنَخْشٰی عَذَابَكَ اِنَّ عَذَابَكَ بِالْكَفّٰرِ  
مُلْحِقٌ

अल्लाहुम्मा इन्ना नस्तईनुका व नस्तग़फ़िरुका व नुअमिनु बिका व नतवक्कलु अलैका व नुस्नी अलैकल-खैर, व नशकुरुका व ला नशकुरुक, व नख़लउ व नत्रुकु मय-यफ़्जुरुक। अल्लाहुम्मा इय्याका नअबुदु व लका नुसल्ली व नसजुद, व इलैका नस्आ व नहफ़िद, व नर्जू रहमतका व नख़्शा अज़ाबक, इन्ना अज़ाबका बिल-कुफ़्फ़ारि मुल्हिक्क

**मतलब:** ऐ अल्लाह! हम तुझसे मदद माँगते हैं, तुझसे बख्शीश चाहते हैं, तुझ पर ईमान लाते हैं, तुझ पर भरोसा करते हैं, तेरी बेहतरीन तारीफ़ करते हैं, तेरा शुक्र करते हैं और नाशुकी नहीं करते, और जो तेरी नाफ़रमानी करे उससे अलग होते और उसे छोड़ देते हैं। ऐ अल्लाह! हम तेरी ही इबादत करते हैं, तेरे ही लिए नमाज़ पढ़ते और सज्दा करते हैं, तेरी ही तरफ़ दौड़ते और तेरी ख़िदमत के लिए हाज़िर होते हैं, तेरी रहमत की उम्मीद रखते हैं और तेरे अज़ाब से डरते हैं, बेशक तेरा अज़ाब काफ़िरी को पहुँचने वाला है।

### आज मेरी नमाज़ के औकात

घर या मस्जिद से पूछकर आज के औकात लिखें।

फ़ज़्र

ज़ुहर

अस्र

मग़रिब

इशा

### मुझे ज़बानी याद अल्फ़ाज़

उन अज़कार के नाम लिखें जो आप बिना देखे पढ़ सकते हैं।

### पाँचों, वक़्त पर

जिस दिन पाँचों नमाज़ों वक़्त पर पढ़ें, एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुमा

शनि

इतवार



## नमाज़ का तरीका — हनफ़ी

## मेरी नमाज़ का ट्रैकर

हर वह नमाज़ जो वक़्त पर पढ़ें, उसका गोला रंग दें।

## हफ़्ता 1

|         | फ़ज़्र                | जुहर                  | अस्र                  | मग़रिब                | इशा                   |
|---------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| सोम     | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| मंगल    | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| बुध     | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| जुमेरात | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| जुमा    | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| शनि     | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| इतवार   | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |

## हफ़्ता 2

|         | फ़ज़्र                | जुहर                  | अस्र                  | मग़रिब                | इशा                   |
|---------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| सोम     | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| मंगल    | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| बुध     | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| जुमेरात | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| जुमा    | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| शनि     | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |
| इतवार   | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> | <input type="radio"/> |

## मुझे ये ज़बानी याद हैं

|                                                                |                                                     |                                              |
|----------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------|----------------------------------------------|
| सना — शुरू की तारीफ़ <input type="checkbox"/>                  | तअव्वुज़ <input type="checkbox"/>                   | बिस्मिल्लाह <input type="checkbox"/>         |
| सूरह फ़ातिहा <input type="checkbox"/>                          | एक छोटी सूरह — सूरह इख़लास <input type="checkbox"/> | रुकू की तस्बीह <input type="checkbox"/>      |
| रुकू से उठते हुए <input type="checkbox"/>                      | क्रौमे की तहमीद <input type="checkbox"/>            | सज्दे की तस्बीह <input type="checkbox"/>     |
| तशहहुद — इब्ने मसऊद (रज़ि.) की रिवायत <input type="checkbox"/> | दुरूद-ए-इब्राहीमी <input type="checkbox"/>          | सलाम से पहले एक दुआ <input type="checkbox"/> |
| कुरआन से एक और दुआ <input type="checkbox"/>                    | सलाम <input type="checkbox"/>                       | नमाज़ के बाद <input type="checkbox"/>        |
| दुआ-ए-कुनूत <input type="checkbox"/>                           |                                                     |                                              |

उस्ताद के दस्तख़त

वालिदैन के दस्तख़त



## सर्टिफिकेट

رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيمَ الصَّلَاةِ

यह सर्टिफिकेट दिया जाता है

नमाज़ का तरीका क़दम-ब-क़दम सीखने पर — माशाअल्लाह!

हनफ़ी



तारीख

उस्ताद / वालिदैन